II CLASS TEST

HID-I **ID – 104**

Time – 1 Hour

M.M.-15

प्रश्न. 1. ग्रीक वास्तुकला के कोरिन्थन ऑर्डर का सचित्र वर्णन कीजियें।

Describe the Greek Corinthian order with sketch.

OR

रोमन वास्तुकला के कम्पोजिट ऑर्डर का सचित्र वर्णन कीजियें।

Describe the roman composit order with sketch. 8

8

प्रश्न. 1. निम्न को सक्षेंप में समझाइयें

Write short note on the following

(i) रोमन वास्तुकला की सामाजिक परिस्थितियां

Social Condition of Roman Archiecture. $3\frac{1}{2} \times 2 = 7$

(ii) रोमन वास्तुकला की ऐतिहासिक परिस्थितियां

historical Condition of Roman Archiecture.

HID-I ID - 104.

प्र. 1 ग्रीक वास्तुकला के कोरिन्थियन आर्डर का सचित्र वर्णन कीजिये।

ग्रीक वास्तुकला में प्रारंभिक समय में इस ORDER का प्रयोग कहीं नहीं किया गया था। 5 सदी ईसा पूर्व में पहली बार इसे IONIC ORDER के स्थान पर परावर्तित किया गया। इस ORDER के दो प्रमुख भाग होते हैं। पहला COLUMN और दूसरा ENTABLATURE है। COLUMN वाले भाग में BASE; SHAFT, CAPITAL तीन हिस्से शामिल होते थे। BASE वाले भाग में UPPER TORUS, LOWER TORUS एवं SCOTIA बना होता था। और BASE वाले भाग की ऊंचाई LOWER DIAMETAR का आधा भाग होती थी। इसके SHAFT वाला भाग गोलाकार एवं TOP तक आते-2 पांचवे से छटे हिस्से तक तिरछा हो जाता था यह Shaft 24 बांसुरीनुमा खड़ी लाइनों में विभक्त होता है। CORIANTHIAN ORDER के CAPITAL वाला भाग बड़ा होता था और इसमें गहराई तक खुदाई की हुयी होती थी। इस भाग की DESIGN को मिस्र के BELL Shaped Capital से लिया गया था। इस Capital वाले भाग में ACANTHUS पत्तियों की दो कतारें बनी हुयी होती थी और इनके निचे की तरफ कमल की छोटी पत्तियां बनी हुयी होती थी और उनके ऊपर बंद कलियां बनी होती जो ऊपर की ओर बनी घुमावदार डिजाइन को सहारा देती थी। और इसी पर Abacus बना होता जो निचले हिस्से की गुच्छेदार डिजाइन को सहारा देता था

ENTABLATURE :- यह अलग-2 नापों मे पाया जाता था इसके तीन प्रमुख भाग होते थे :-

(i) ARCHITRYE :- इस भाग की ऊंचाई DIAmeter का 3/4 भाग होती थी इसमें ABACUS के ऊपर तीन पट्टीया ~~FR~~ THREE FASCIAE तथा इनके ऊपर एक लंबा पट्टी Slighth ~~को~~ PROJECTION के रूप में लगायी जाती थी।

(ii) FRIEZE :- इस भाग की ऊंचाई diameter का 3/4 भाग होती थी यह भाग कई बार सादा एवं कई बार इसमें लगातार प्रतिया खुदी हुयी हो सकती थी।

(iii) CORNICE :- इसकी ऊंचाई Diameter का 3/4 भाग होती थी। इसमें खड़े पत्थर के छोटे-टुकड़ों पर आड़ी पट्टीया लगायी जाती थी। इन छोटे टुकड़ों को DENTILS कहा जाता था। ऊपर की आड़ी पट्टीयों के अंतिम सिरे पर ANTEFIXA ~~की जाती थी~~ ORNAMEN की सजावट की जाती थी।

Notes

Page No.:
Date: / /

ROMAN COMPOSIT ORDER यह order Ionic व Corianthan order के संयोजन से बना है। इसके capital मे दोनो order के capital का समावेश किया गया है।

इसके दो प्रमुख भाग है

(1) COLOUMN और (2) ENTABLATURE

(1) इसके coloumn वाले भाग मे BASE, SHFT, और capital शामिल है। इसके Base वाला भाग Attic Base कहलाता है और इसकी ऊंचाई Diameter का आधा भाग होती है। और यह एक चौकोर Block पर टिका रहता है तथा इसमे upper torous और lower torus तथा दोनो को अलग करने के लिये बिच मे scotia बना है। upper torus और lower torus को Moulding से सजाया गया है तथा scotia वाले भाग पतली-2 पट्टीया बनायी गयी है। इसकी घुमावदार Shaft मे 24 खडी बांसुरीनुमा डिजायन बनायी गयी है।

इसके capital वाले भाग मे Ionic order की घुमावदार डिजायन और Corianthian order की Acanthus पत्तयो को साथ-2 बनाया गया है। capital को दो कतारो मे बनाया गया है और दोनो भाग मे 8-8 Acanthus पत्तियो को बनाया गया है। और ऊपरी भाग मे चार घुमावदार डिजायन चारो कोनो पर बनायी गयी है। और इनके ऊपर Abacus लगाया गया है जो ऊपर के भाग को सहारा देता है।

ENTABLATURE :- इसके तीन प्रमुख भाग है

(1) ARCHITRAVE :- इसकी ऊंचाई Diameter की 3/4 भाग होती है और यह भाग कही-2 पर छोटी Moulding से सजा हुआ होता था।

(2) FRIEZE :- यह भाग भी Diameter का 3/4 भाग तक ऊंचा होता था। कई बार यह भाग पूरा सादा अथवा कई बार इसको बहुत ही सुन्दर मूर्तियो से अलंकृत किया जाता था।

(3) CORNICE :- इस भाग की ऊंचाई पूरे Diameter जितनी ही होती थी

Teacher's Signature ....

Notes

Page No.:
Date: / /

इसके निचले हिस्से में ~~DENtits~~ Dentils वाली डिजायन बनी होती थी। और CORONA वाला भाग भी बहुत सुन्दर moulding से सजाया गया होता था। Composit order IONIC ord एवं Corinthian order की डिजायन के मिश्रण से बनाया जाता था और भव्य तरीके से इसकी सजावट की जाती थी।

Teacher's Signature ....

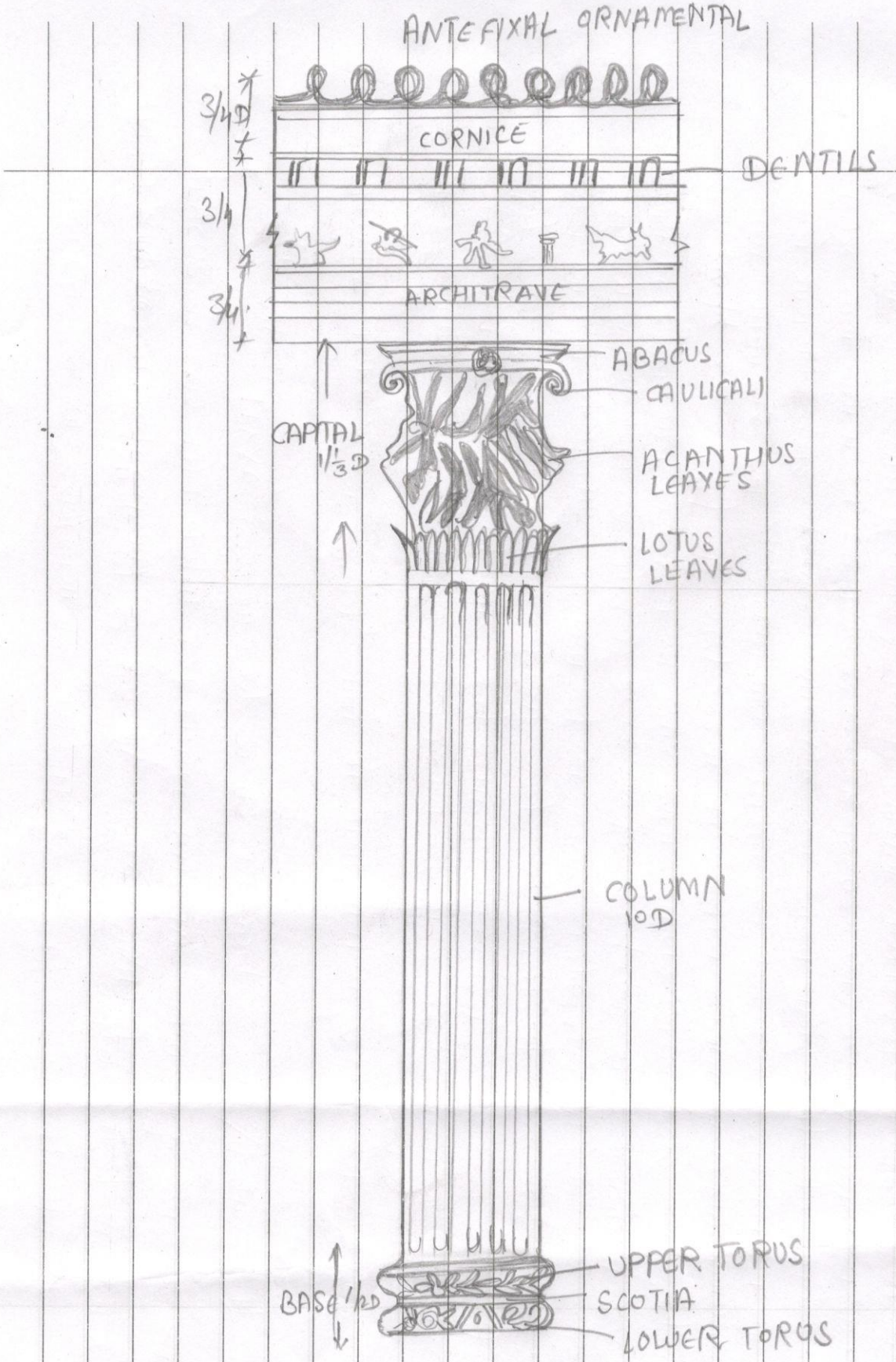

GREEK CORINTHIAN ORDER.

Notes

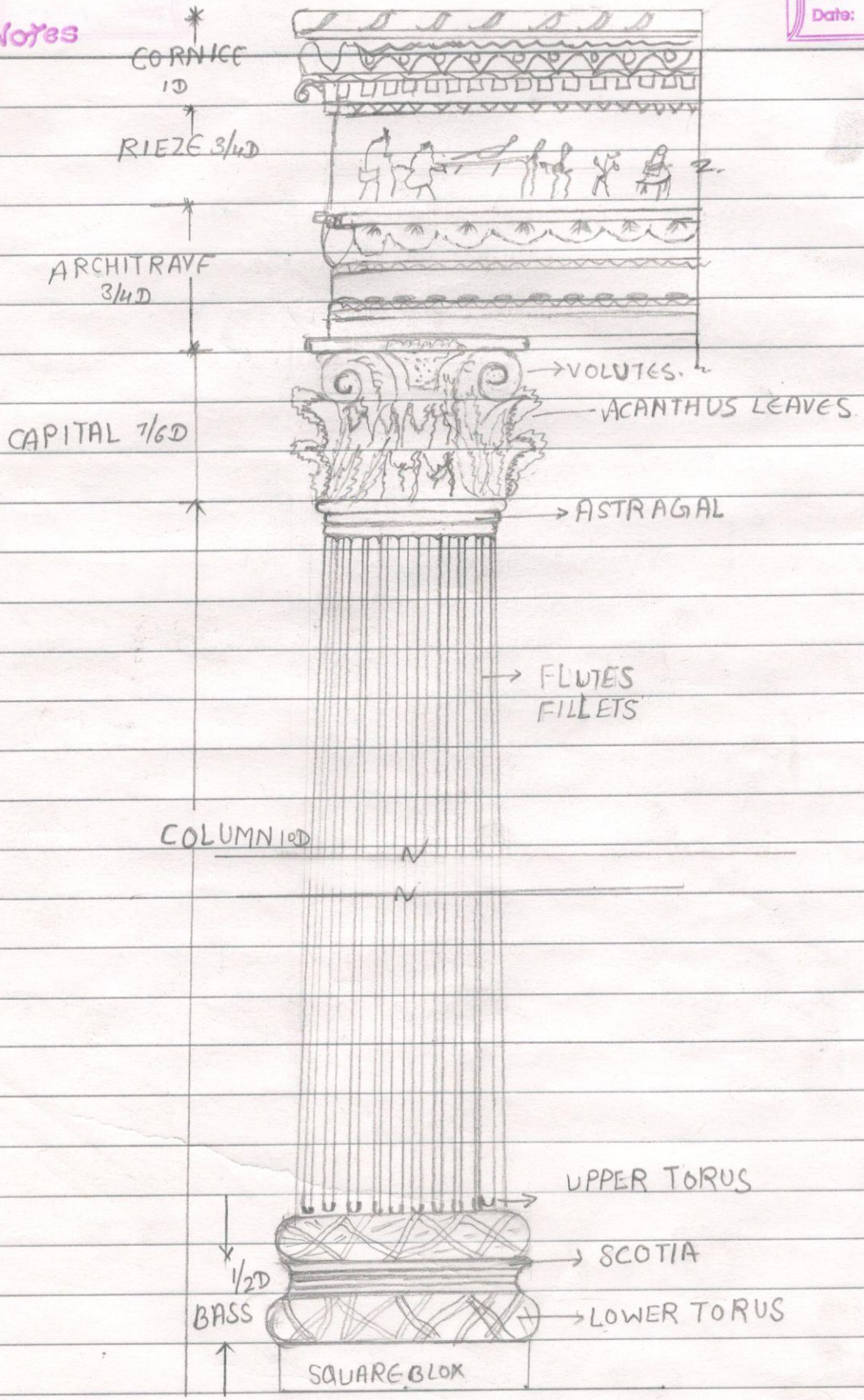

Page No.:
Date:

ROMAN COMPOSITE ORDER

Notes

Page No.:
Date: / /

(i) रोमन वास्तुकला की सामाजिक परिस्थितियां :- राजा ETARUSCANS के शासन काल से रोम ने नगर का रूप धारण किया। नगरों को सुरक्षित रखने के लिये चारों ओर सुदृढ़ दीवारों का का निर्माण किया गया। और इसी के साथ- राजप्रसाद एवं नवीन राजकीय भवनों के द्वारा नगरों को अलंकृत किया गया। 1400 B.C. पूर्व से 205 B.C. पूर्व में नवीन विकास हुये इसे ही प्रारम्भिक रोम साम्राज्य की सभ्यता कहते हैं, 509 B.C में राजतंत्रिय व्यवस्था का अन्त हो गया और रोम में गणतन्त्र की स्थापना हो गयी। इसमें राजा को सामन्तों एवं नागरिकों द्वारा चुना जाता था। इस समय के नगर वैभवता एवं समृद्धि के लिये एक दूसरे से स्पर्धा करने लगे थे। प्रत्येक नगर में जगह-2 पर सार्वजनिक भवन बनाये गये थे। रोमवासी सड़क निर्माण में माहिर थे। यह सड़कें सेना एवं आम नागरिकों के लिये आवागमन का साधन थी इस समय कई नवीन राज्य मार्ग बनाये गये। जिनमें मजबूती के लिये पत्थरों की चिनाई की जाती थी। इस समय बनाई गयी सबसे लम्बी सड़क 570 km लम्बी थी। यात्रियों के विश्राम के सरायों का निर्माण किया गया था। यहां के नागरिक खेल प्रेमी, कलाकार, व विलासितामय जीवन को पसंद करते थे। यहां के लोग न सिर्फ अच्छे भवन निर्माता थे साथ- सामाजिक जीवन एवं न्याय को भी बहुत महत्व देते थे। कला एवं स्थापत्य के क्षेत्र में रोम की उपलब्धियां प्रशंसनीय थी। उन्होंने बड़े-2 स्टेडियम, BASILICA (न्यायलय-COURT OF JUSTICE) थियेटर एवं AMPHITHEATRE एवं बड़े-2 स्नानाघर आदि सार्वजनिक भवनों का निर्माण भी किया।

Teacher's Signature .....

Notes

Page No.:
Date: / /

रोमन वास्तुकला की ऐतिहासिक परिस्थितियां :- ईसा से 8 वी शताब्दी पूर्व पहले सम्राट ETRUSCANS ने पूरी इटली पर अधिकार कर लिया। 509 BC तक इस के अंतिम राजा TARQUINIUS तक यह व्यवस्था रही। और इसके बाद रोम में गणतंत्रीय व्यवस्था स्थापित हो गयी। जिसमे सामंतो एवं नागरिको द्वारा राजा का चुनाव किया जाता था। 146 B.C में रोम वासियों ने ग्रीक पर अपना अधिकार करलिया। 63 BC में POMPEY शहर के (Julius Caesar) ने मध्य एशिया से हारने के बाद अपने आप को वहां का सम्राट घोषित कर दिया। परन्तु 44 B.C में उसकी हत्या कर दी गयी। और कुछ समय के लिये रोम में बगावत विद्रोह फैलने लगा। 45 B.C. में MARK ANTONY ने (Caesar) को अपना सेनाध्यक्ष बनाया जो कि Mark ANTONY का मामा था। और बाद में उसी को अपना दत्तक पुत्र बनाया। MARK ANTONY ने 37 B.C. में मिस्र की रानी CLEOPETRA से विवाह किया एवं रोम व मिस्र को मिला दिया। परंतु OCTAVIAN नामक सरदार ने विद्रोह किया। और ALEXNDRIA में MARK ANTONY को Suicide करना पड़ा। और OCTAVIAN रोमन सम्राट के रूप में स्थापित हो गया। इस राजवंश मे कई योग्य सम्राट हुये। और इन्होंने आगस्टस की पदवी धारण की जिनमें NERO, TITUS, TRAJAN, HADRIAN एवं CARACALLA नामक सम्राट बहुत मुख्य थे और इनके समय में वास्तुकला का बहुत विकास हुआ।

Teacher's Signature .....